MJY - C 302

ज्योतिर्विज्ञान एवं कर्मकाण्ड

विषय – संस्कार विवेचन-II

नोट -:प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य है। निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर १५० शब्दों में दीजिए।

खण्ड 'अ' –लघु उत्तरीय प्रश्न

नोट : - किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है – (5x6 = 30)

प्रश्न 1 - फलित-ज्योतिष के अनुसार राहु तथा केतु के अनिष्ट प्रभाव को शान्त करने के लिये कौन सा संस्कार किया जाता है ? सप्रमाण विवचन कीजिये ।

प्रश्न 2 - उपनयन शब्द को परिभाषित करते हुए उपवीत मन्त्र की व्याख्या कीजिये ।

प्रश्न 3 - उपनयन-संस्कार के आध्यात्मिक कारणों पर प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 4 - वर्ण-क्रम-अनुसार उपनयन-संस्कार में वर्णित 'आयु' पर प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 5 - वेदारम्भ-संस्कार पर एक लघु-निबन्ध लिखिये ।

प्रश्न 6 - वेदारम्भ-संस्कार क्यों आवश्यक है ? स्पष्ट कीजिये ।

प्रश्न 7- समावर्तन संस्कार के महत्त्व पर प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 8 - महर्षि दयानन्द के अनुसार विवाह संस्कार में वर्णित आयु विषयक मन्तव्यों पर प्रकाश डालिये ।

प्रश्न 9 - महर्षि दयानन्द सरस्वती के द्वारा प्रतिपादित विवाह-संस्कार के नियमों पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 10- शाला-कर्म-विधि के महत्त्व पर प्रकाश डालिये ।

खण्ड 'ब'

॥ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न ॥

नोट :- किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है - (4×10 = 40)

प्रश्न 1 - मधुपर्क कब, किसे और क्यों प्रदान किया जाता है ? सप्रमाण लिखिये।

प्रश्न 2 – गोदान-विधि तथा कन्या प्रतिग्रहण विधि के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 3 – मानव-जीवन में संस्कारों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 4 – वानप्रस्थ-संस्कार कब और क्यों किया जाता है ? इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 5 – संन्यास-संस्कार की श्रेष्ठता को स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 6 – अन्त्येष्टि-संस्कार की विधि पर एक निबन्ध लिखिये।

प्रश्न 7 – विवाह-संस्कार का कर्मकाण्डपरक विस्तृत विवेचन कीजिये।

प्रश्न 8 – महर्षि दयानन्द द्वार प्रतिपादित विवाह-संस्कार की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिये।